नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Raigarh - 02 Aug 2022 - 02rag3

रिगी जिसमे
को लेकर
भी आहूत
स कमेटी के
ना ने सभी
उपस्थिति
न देश में
पर पहुंच गई
से लेकर
जैसी
ी कीमतों ने
मुहाल कर
नाज,
सी
र अतार्किक
ने के कारण
साथ ही देश
त्याशित रूप
. गांवों में,
में
जगह
ल रूप धारण
ीण और
पचारिक
त्रों में बड़े
का एक

जयंती समारोह में उपस्थिति प्रोफेसर और छात्र.

खरसिया कॉलेज में मनाई गई मुंशी प्रेमचंद की जयंती

■ नवभारत रिपोर्टर | खरसिया.
www.navbharat.news

शासकीय महात्मा गांधी स्नातकोतर महाविद्यालय खरसिया के हिन्दी विभाग में 1 अगस्त को प्रेमचंद जयंती मनाई गई. वाराणसी के लमही नामक गांव में 1880 में धनपतराय श्रीवास्तव के रूप में इनका जन्म हुआ. 300 से अधिक कहानियों के प्रणेता और गोदान जैसे मह×वपूर्ण लगभग दर्जन भर उपन्यासों के आदर्शोन्मुख यथार्थवादी लेखक मुंशी प्रेमचंद के जीवन परिचय एवं साहित्यिक अवदानों पर विभागाध्यक्ष डॉ रमेश टण्डन, प्रो जयराम कुर्रे तथा डॉ आकांक्षा मिश्रा ने विस्तार से व्याख्यान दिया. छात्रों में मुख्य रूप से प्रियंका पटैल, कौशिल्या गबेल, सोनिया चैहान, रेशमा चैहान, रूकमणी पटेल समेत अन्य शामिल रहे.